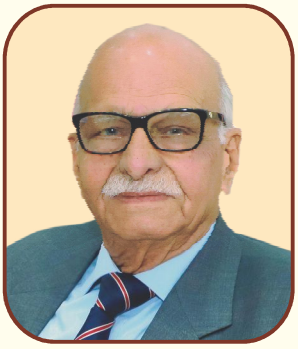

DR. RADHE SHYAM PAREEK

Dr. Radhe Shyam Pareek is one of the senior most active practicing homeopathic physicians in the world. His contribution ranges across clinical practice, research publications, post graduate teaching and social service.

2. Born on 25th March, 1933, Dr. Pareek graduated from the Royal London Homeopathic Hospital in 1956 and is the senior most member of International Homeopathic Medical League (LMHI), the largest and only association of medically qualified homeopaths across the globe. As a practitioner, he has treated more than 23 lakh patients through homeopathy and has been a staunch proponent of scientific homeopathy. More than 6 decades ago, he was instrumental in inculcating modern medical investigations and scientific approaches to establish homeopathy as an integrated medical science by creating a complimentary environment for homeopathy and surgery.

3. Dr. Pareek has presented his original research papers across more than 20 countries since 1960 through oral presentations and publications. His books have been translated to German, Russian and Italian languages. His books on complimentary Cancer care and Homeopathy for emergencies are followed by doctors across Europe.

4. Dr. Pareek's teaching seminars for post graduate homeopathic doctors are popular across the globe and doctors from Germany, Switzerland, Austria, Russia, Ukraine, Armenia etc regularly attend his seminars in Agra for learning practical homeopathy. He has been training almost 500 European post graduate physicians in homeopathy annually since two decades through his overseas training seminars. He founded Sevakunj Mission Hospital at Poiya Ghat, Agra which has adopted 40 villages to provide free healthcare services, immunization and awareness programs.

5. Dr. Pareek has founded Charitable dispensaries, which are run at Goverdhan, Radha Kund and Agra and provide free homeopathic treatment to hundreds of needy patients every day. He personally sees patients at these dispensaries every week since 35 years especially sandhu-sanyasis of Braj region. He has established "Satsang Sudha" for promulgation of Indian culture by running weekly satsang programs every Sunday which include Ramcharitmanas rendition and "Prerak Prasang" from 'shastras' for children. Pareek Foundation established by him takes care of monthly rations and basic needs of 100 widows of Radha Kund. He has adopted "Lopamudra Vidya Mandir" a school for leprosy patients located at JALMA institute campus Agra and has enhanced the school infrastructure - buildings, playground etc. as well as faculty and student sponsorship.

6. Dr. Pareek was awarded honorary doctorate - D.Sc (Doctor of Science Honoris causa) by Dr Bhim Rao Ambedkar University, Agra in 2012. He was awarded the "Hahnemann Preis" by Hahnemann Klinik, Germany named after the founder of homoeopathy Dr. Samuel Hahnemann. He has been awarded the "Brij Ratna", "Citizen of the year", "Uttar Pradesh Ratna" and several such awards by media houses such as Amar Ujala, Dainik Jagran, DLA media etc.

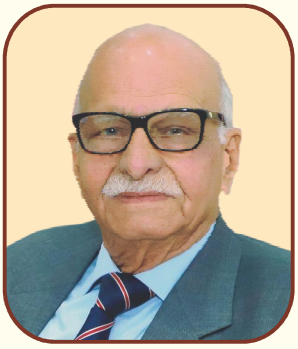

डॉ. राधे श्याम पारीक

डॉ. राधे श्याम पारीक दुनिया के सबसे वरिष्ठ सक्रिय होम्योपैथिक चिकित्सकों में से एक हैं। उन्होंने नैदानिक उपचार, शोध प्रकाशन, स्नातकोत्तर शिक्षण और सामाजिक सेवा में योगदान दिया है।

2. 25 मार्च, 1933 को जन्मे डॉ. पारीक ने 1956 में रॉयल लंदन होम्योपैथिक अस्पताल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वह दुनिया भर में चिकित्सकीय रूप से योग्य होम्योपैथों के सबसे बड़े और एकमात्र संघ इंटरनेशनल होम्योपैथिक मेडिकल लीग (एलएमएचआई) के वरिष्ठतम सदस्य हैं। एक चिकित्सक के रूप में, उन्होंने होम्योपैथी के माध्यम से 23 लाख से अधिक रोगियों का इलाज किया है और वह वैज्ञानिक होम्योपैथी के प्रबल समर्थक रहे हैं। 6 दशक से भी पहले, उन्होंने होम्योपैथी और सर्जरी के लिए एक पूरक वातावरण बनाकर होम्योपैथी को एक एकीकृत चिकित्सा विज्ञान के रूप में स्थापित करने के लिए आधुनिक चिकित्सा जांच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

3. डॉ. पारीक ने 1960 से मौखिक प्रस्तुतियों और प्रकाशनों के माध्यम से 20 से अधिक देशों में अपने मूल शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। उनकी पुस्तकों का जर्मन, रूसी और इतालवी भाषाओं में अनुवाद किया गया है। आपातकालीन स्थितियों के लिए संपूरक कैंसर देखभाल और होम्योपैथी पर उनकी पुस्तकों का पूरे यूरोप के डॉक्टरों द्वारा अनुकरण किया जाता है।

4. पोस्ट ग्रेजुएट होम्योपैथिक डॉक्टरों के लिए डॉ. पारीक के अध्यापन सेमिनार दुनिया भर में लोकप्रिय हैं और जर्मनी, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, रूस, यूक्रेन, आर्मेनिया आदि के डॉक्टर व्यावहारिक होम्योपैथी सीखने के लिए नियमित रूप से आगरा में उनके सेमिनार में भाग लेते हैं। वह दो दशक से अपने विदेशी प्रशिक्षण सेमिनारों के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 500 यूरोपीय स्नातकोत्तर चिकित्सकों को होम्योपैथी का प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने आगरा के पोइया घाट में सेवाकुंज मिशन अस्पताल की स्थापना की, जिसने मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण प्रदान करने और जागरूकता कार्यक्रम के लिए 40 गांवों को गोद लिया है।

5. डॉ. पारीक ने धर्मार्थ औषधालयों की स्थापना की है, जो गोवर्धन, राधा कुंड और आगरा में चलाए जाते हैं और ये हर दिन सैकड़ों जरूरतमंद रोगियों को मुफ्त होम्योपैथिक उपचार प्रदान करते हैं। वह 35 वर्षों से व्यक्तिगत रूप से हर सप्ताह इन औषधालयों में मरीजों, विशेषकर ब्रज क्षेत्र के साधू–संन्यासियों को देखते हैं। उन्होंने प्रत्येक रविवार को साप्ताहिक सत्संग कार्यक्रम चलाकर भारतीय संस्कृति के प्रचार–प्रसार के लिए "सत्संग सुधा" की स्थापना की है, जिसमें बच्चों के लिए रामचरितमानस का पाठ और 'शास्त्रों' से लिए गए "प्रेरक प्रसंग" शामिल होते हैं। उनके द्वारा स्थापित पारीक फाउंडेशन द्वारा राधा कुंड की 100 विधवाओं के मासिक राशन और बुनियादी जरूरतों का ध्यान रखा जाता है। उन्होंने जालमा संस्थान परिसर आगरा स्थित कुष्ठ रोगियों के लिए एक स्कूल "लोपमुद्रा विद्या मंदिर" को गोद लिया है और स्कूल के बुनियादी ढांचे यानी इमारतों, खेल के मैदान आदि के साथ–साथ संकाय और छात्र प्रायोजन को बढ़ाया है।

6. डॉ. पारीक को 2012 में डॉ. भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा मानद डॉक्टरेट–डी.एससी (डॉक्टर ऑफ साइंस मानद उपाधि) से सम्मानित किया गया था। उन्हें होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. सैमुअल हैनिमैन के नाम पर रखे गए हैनिमैन क्लीनिक, जर्मनी द्वारा "हैनिमैन प्रीस" से सम्मानित किया गया था। उनकी "बृज रत्न", "सिटीजन ऑफ द ईयर", "उत्तर प्रदेश रत्न" तथा अमर उजाला, दैनिक जागरण, डीएलए मीडिया आदि मीडिया घरानों द्वारा ऐसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।